Regarding enforcement of Digital Personal Data Act (DPDP), 2023

श्री कीर्ति आज़ाद **(बर्धमान-दुर्गापुर) :** धन्यवाद सभापति महोदया, आज हमारे बीच सरकार की तरफ से प्रभारी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी बैठे हैं और प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उनसे भी यह बात संबंधित रहेगी । मैं चाहूंगा कि उनका मेरी तरफ कुछ आकर्षण रहे ।

महोदया, आज पहले प्रश्न पर माननीय मंत्री जी ने बहुत अच्छा जवाब दिया था कि किस प्रकार से साइबर क्राइम पर वह नियंत्रण कर रहे हैं । उन्होंने बताया कि उन्होंने काफी लाखों टेलिफोन और सिम कार्ड्स को ब्लॉक किया है । लेकिन क्या इनको ब्लॉक करना हमारे उद्देश्य की पूर्ति करता है । स्पैम कॉल्स 146.3 करोड़ लोगों को हर रोज़ दर्जनों के हिसाब से मिलता है । इसमें सर्विस प्रोवाइडर्स आधार कार्ड से लिंक सिम कार्ड देते हैं । लेकिन बड़ी-बड़ी कम्पनियां, जैसे ? अभिनंदन लोढ़ा, पीएनबी मैटलाइफ, आईसीआईसीआई लोम्बार्ड, एचडीएफसी म्युचूअल फंड हैं, इनको दिया जाता है । इनके नंबर मैंने बार-बार दिए हैं और ब्लॉक भी हुए हैं, उसके बावजूद भी नंबर आते हैं । मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि क्या वह इन बड़ी कंपनियों को बंद करेगी? क्योंकि यह जड़ है । इस जड़ को खत्म किया जाए, क्योंकि एक नंबर ब्लॉक करें, दूसरा, तीसरा करें, लेकिन वे एक, दो और तीन हजार सिम कार्ड ले लेंगे क्योंकि उनके पास पैसा है । ऐसे में, मैं सरकार से यह जानना चाहता हूं कि क्या सिम कार्ड की जगह इन बड़ी-बड़ी कम्पनियों - अभिनंदन लोढ़ा, पीएनबी मैटलाइफ, एचडीएफसी लाइफ, आईसीआईसीआई इंश्योरेंस और ऐसी ही बहुत सारी कम्पनियां हैं क्या उनको बंद करेगी? जस्टिस के.एस. पुत्तुस्वामी वर्सेस यूनियन ऑफ इंडिया में प्राइवेसी में आर्टिकल 121 में मेरी प्राइवेसी है । वह मेरा फंडामेंटल राइट है । इसका उल्लंघन हो रहा है । मैं सरकार से यह कहना चाहता हूं If the Government cannot stop industry-backed data theft and spam nuisance, how can it protect us from AI-driven cyber frauds? यहां हमारे माननीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव उपस्थित हैं और मैं आशा करता हूं कि उन्होंने इसका संज्ञान लिया होगा और इसके ऊपर कार्रवाई होगी । जो सर्विस प्रोवाइडर्स हैं, जो सोर्स है, उसको बंद करेंगे। सिम कार्ड बंद करने से कोई फायदा नहीं होने वाला है । एक, दो या दस हजार तक ब्लॉक करते रहिए, ये नये-नये लेते रहेंगे । बहुत-बहुत धन्यवाद ।